PANDIT DEENDAYAL UPADHYAYA SHEKHAWATI UNIVERSITY, SIKAR

SYLLABUS

M.A.SANSKRIT
(ANNUAL SCHEME)
SESSION 2022-23
PREVIOUS EXAMINATION-2023

परीक्षा प्रणाली
एम.ए. संस्कृत (पूर्वाद्ध) परीक्षा –2023

एम.ए. पूर्वाद्ध की परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। जिनमें से विद्यार्थी को चारों प्रश्नपत्र करने हैं। प्रथम प्रश्न पत्र में नियमित विद्यार्थी विकल्प का चयन कर सकते हैं। प्रत्येक का पूर्णाक 100 अंक का तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न –पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे। चारों प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।

प्रथम प्रश्न –पत्रः– वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान
द्वितीय प्रश्न –पत्रः– ललित साहित्य,नाटक एवं काव्यशास्त्र
तृतीय प्रश्न–पत्र :– भारतीय दर्शन एवं व्याकरण
चतुर्थ प्रश्न –पत्रः– प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परागत

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

एम. ए. प्रथम –2023

संस्कृत

प्रथम प्रश्न पत्र –वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषा विज्ञान

समय 3 घंटे पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र के लिए सामान्य निर्देश–

प्रश्न पत्र हिंदी भाषा में बनाया जायेगा। 20 अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से दिए जाने वाले प्रश्न के लिए निर्धारित है। संपूर्ण प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा जो 20–20 अंको की 5 इकाइयों में विभाजित है।

पाठयक्रम का विस्तृत वर्णन–

1. **प्रथम इकाई(ऋग्वैदिक सूक्त)** –अग्नि 1.1. ,इन्द्र 2.12, विष्णु , 1.154 अक्ष, 10.34 वाक, 10.125, पुरूष 10.10, नासदीय 10.129, हिरण्यगर्भ 10.121। उक्त सूक्तों में से 4 मंत्रों की व्याख्या पूछ कर हिन्हीं दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए दो की संप्रसंग व्याख्या करना होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। उपर्युक्त सूक्तों में से किसी देवता और सूक्त पर आधारित है। त दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित है।

2. **द्वितीय इकाई(शिव संकल्प सूक्त एवं पृथ्वीसूक्त)** उक्त सूक्तों में से 4 मंत्रों की व्याख्या पूछ कर हिन्हीं दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए दो की संप्रसंग व्याख्या करना होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। उपर्युक्त सूक्तों में से किसी देवता और सूक्त पर आधारित है। त दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित है।

3. तृतीय इकाई निरूक्त–यास्क (प्रथम अध्याय) उक्त सूक्तों में से 4 मंत्रों की व्याख्या पूछ कर हिन्हीं दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए दो की संप्रसंग व्याख्या करना होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। उपर्युक्त सूक्तों में से किसी देवता और सूक्त पर आधारित है। त दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित है।

4. चतुर्थ इकाई (भाषा विज्ञान) इस इकाई में से भाषा की परिभाषा, उत्पति, रूपरेखा, भाषा की उत्पति, के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर, व्यंजनए ध्वनि परिर्वतन के कारण, अर्थ परिवर्तन के कारण इत्यादि से संबंधित प्रश्न प्रष्टव्य हैं। उपर्युक्त बिंदुओं में से 10–10 अंक के अथवा सहित दो प्रश्न पूछे जाएंगें।
5. पंचम इकाई (भारोपीय भाषा परिवार, ध्वनि नियम् संस्कृत एवं अन्य भाषाए) 10–10 अंक के अथवा सहित दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (संस्कृत) 2023

द्वितीय प्रश्न पत्र – ललित साहित्य, नाटक एवं काव्यशास्त्र

समय 3 घंटे पूर्णांक 100

प्रश्न पत्र के लिए सामान्य निर्देश–

प्रश्न पत्र हिंदी भाषा में बनाया जायेगा। 20 अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से दिए जाने वाले प्रश्न के लिए निर्धारित है। संपूर्ण प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा जो 20–20 अंको की 5 इकाइयों में विभाजित है।

पाठयक्रम का विस्तृत वर्णन–

1. प्रथम इकाई (मेघदूत) सम्पूर्ण मेघदूत से चार व्याख्या पूछ कर किन्ही दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। मेघदूत आधारित दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

2. द्वितीय इकाई (प्रतिमानाटक–भास) सम्पूर्ण प्रतिमानाटक से चार कारिका पूछ कर किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। प्रतिमानाटक आधारित दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

3. तृतीय इकाई (मृच्छकटि्कम् एवं मुद्राराक्षसम् नाटक का सामान्य अध्ययन) उपर्युक्त दोनों नाटकों के रचयिता, कथावस्तु एवं नाटय शैली से संबंधित 10–10 अंक के अथवा सहित दो प्रश्न पूछे जायेंगे।

4 चतुर्थ इकाई (साहित्य दर्पण प्रथम–द्वितीय परिच्छेद) चार कारिका पूछ कर किन्ही दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पठित अंश से दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

5 पंचम इकाई (नाट्यशास्त्र –षष्ठ अध्याय) चार कारिका पूछ कर किन्ही दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पठित अंश से दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (संस्कृत) 2023

तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन एवं व्याकरण

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

प्रश्न पत्र के लिए सामान्य निर्देश–

प्रश्न पत्र हिंदी भाषा में बनाया जायेगा। 20 अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से दिए जाने वाले प्रश्न के लिए निर्धारित है। संपूर्ण प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा जो 20–20 अंको की 5 इकाइयों में विभाजित है।

पाठयक्रम का विस्तृत वर्णन–

1. प्रथम इकाई (सांख्यकारिका) चार कारिका पूछ कर किन्ही दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पठित अंश से दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र (तर्कशास्त्र) चार अंश पूछ कर किन्ही दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पठित अंश से दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

3. तृतीय प्रश्न पत्र (वेदान्त सार) चार कारिका पूछ कर किन्ही दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पठित अंश से दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

4. चतुर्थ इकाई (भोगसूत्र– प्रथम एव द्वितीय पाद) चार अंश पूछ कर किन्ही दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पठित अंश से दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

5. पंचम इकाई (लघुसिद्धान्तकौमुदी प्रक्रिया भाग–ण्यन्त,सन्नन्त) पठित अंश से चार सूत्र पूछ कर किन्ही दो की सोदाहरण व्याख्या 5+5=10 अंक। पठित अंश से 4 सिद्वीयां पूछ कर दो पदों की स्पसिद्धी 5+5= 10 अंश।

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (संस्कृत) 2023

चतुर्थ प्रश्न पत्र –प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परागत

समय 3 घंटे **पूर्णाक 100**

प्रश्न पत्र के लिए सामान्य निर्देश–

प्रश्न पत्र हिंदी भाषा में बनाया जायेगा। 20 अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से दिए जाने वाले प्रश्न के लिए निर्धारित है। संपूर्ण प्रश्न पत्र 100 अंको का होगा जो 20–20 अंको की 5 इकाइयों में विभाजित है।

पाठयक्रम का विस्तृत वर्णन–

1. प्रथम इकाई –संस्कृत में राजनीतिक एवं आर्थिक चिन्तन– (कौटिल्य का अर्थशास्त्र– प्रथम अधिकरण मात्र) इस इकाई में अर्थशास्त्र के प्रथम अधिकरण से चार व्याख्या पूछ कर किन्ही दो की संप्रसंग व्याख्या करना अभीष्ट होगा जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पठित अंश से दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

2. द्वितीय इकाई–संस्कृत में चिकित्सा एवं औषधि विज्ञान–
(बाग्भट्ट का अष्टांग छद्म एवं चरक की चरक संहिता) इस इकाई में अष्टागं हृदय एवं चरक सहिंता के सामान्य परिचय, महत्व, विषय – वस्तु और वर्तमान में उपादेयता से संबंधित 10–10 अंक के अथवा सहित दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. तृतीय इकाई –संस्कृत में गणित एवं खगोलशास्त्र
(आर्यभट्ट, रामानुज एवं वराहमिहिर का परिचय व योगदान) इस इकाई में आर्यभट्ट, रामानुज, वराहमिहिर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित 10–10 अंक के अथवा सहित दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

4. चतुर्थ इकाई संस्कृत मे विधि एवं आचरणशास्त्र(याज्ञवल्य स्मृति व्यवहाराध्यान) इस इकाई में याज्ञवल्क्यसमृति के व्यवहार अध्याय से 4 प्रश्न पूछकर किन्ही दो की सप्रसगं व्याख्या अभीष्ट होगी जिसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पठित अशं से दो प्रश्न पूछ कर एक का उत्तर अभीष्ट होगा जिसके लिए 8 अंक निर्धारित है।

5. पंचम इकाई – संस्कृत मे ज्योतिषशास्त्र (पंचाग परिचय)
इस इकाई में ज्योतिष के पंचाग परिचय से संबंधित 10–10 अंक के अथवा सहित दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)